जन्मे रे जन्मे रे वीर प्रभु | By Kunaal Ddhru

जन्मे रे जन्मे रे वीर प्रभु जन्मे
क्षत्रिय कुल में आज रे.....
जन्म लियो जिनराज रे.....

आयी हैं सखियाँ देने बधाई
ढोल नगाड़े बाजै गूंजे शहनाई
पुष्प बरसे हैं नभ से आज रे
जन्म लियो जिनराज ने.....
जन्मे रे जन्मे रे वीर प्रभु जन्मे
क्षत्रिय कुल में आज रे.....
जन्म लियो जिनराज रे.....

चैत्र सुदिते रास की मंगल घडी आयी
राजा सिद्धार्थ के आँगन खुशियां छाई
तृष्णा आनंद आया मन में आंनद छाया
फूल बरसे हैं नभ से आज रे
जन्म लियो जिनराज ने.....
जन्मे रे जन्मे रे वीर प्रभु जन्मे
क्षत्रिय कुल में आज रे.....
जन्म लियो जिनराज रे.....

दु:ख की बद्री धीरे धीरे छटने लगी
सुख की अनुभूति सबको होने लगी
हर्षित है जन जन पुलकित हुआ ये मन
बरसे है नभ से आज रे
जन्म लियो जिनराज ने.....
जन्मे रे जन्मे रे वीर प्रभु जन्मे
क्षत्रिय कुल में आज रे.....
जन्म लियो जिनराज रे.....

करुणा के स्वामी प्रभु वीर पधारे
सारे जहाँ में गूंजे है जयकारे
यही भगवन है भक्त तू पहचान ले
पुष्प बरसे है नभ से आज रे
जन्म लियो जिनराज ने.....
जन्मे रे जन्मे रे वीर प्रभु जन्मे
क्षत्रिय कुल में आज रे.....
जन्म लियो जिनराज रे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b5%e0%a5%80%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ad/